विचार बिन्दु

युद्ध के लिए तैयार रहना शांति स्थापित रखने के लिए एक बहुत प्रभावशाली साधन है। –वाशिंगटन

जानें : चुनाव, मतदाता पंजीकरण और वोट देने की शक्ति क्या है?

हमारे देश भारत में निर्वाचकों की मुख्य तीन श्रेणियां हैं। प्रथम सामान्य निर्वाचन, द्वितीय प्रवासी (एनआरआई) व तृतीय प्रवासी निर्वाचन।

प्रत्येक भारतीय नागरिक जिसकी आयु 18 वर्ष है (निर्वाचक नामावली के तैयार करने के वर्ष के जनवरी माह के प्रथम दिन को 18 वर्ष प्राप्त कर लिये हों) और वह किसी कानून के तहत् निरर्हित न किया गया हो, वह मतदान का अधिकारी है तथा वह जिस स्थान की नामावली है उसमें मतदाता के रूप में पंजीकृत कराने का अधिकारी है। यहाँ यह लिखना समीचीन होगा कि केवल भारत का नागरिक भारत में मतदान करने का अधिकारी है। मतदान करने के लिये उसका नाम नामावली में होना आवश्यक है। चुनाव में खड़ा होने के हेतु नामावली की रजिस्टर्ड प्रतिलिपि, नोमीनेशन फार्म के साथ लगाना आवश्यक है। भारत का नागरिक यदि अन्य देश की नागरिकता प्राप्त कर लेता है तो वह निर्वाचक नामावली में पंजीकरण कराने का पात्र नहीं हो सकता। एक व्यक्ति के पास विदेशी पासपोर्ट है किसी ने आपत्ति की है कि वह दूसरे देश का नागरिक है, इस आधार पर उनके विरूद्ध एक रिट् याचिका कोर्ट में लम्बित है, देखना है न्यायालय इस आपत्ति का समाधान क्या निकालता है? लोक प्रतिनिधित्व (संशोधन) अधिनियम 2010 के द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 20 के प्रावधानों के अनुसार भारत का वह नागरिक जिसने किसी अन्य देश की नागरिकता प्राप्त नहीं की है और जो मतदाता के रूप में पंजीकरण हेतु अन्यथा पात्र है तथा जो अपने रोजगार, शिक्षा आदि के कारण भारत में अपने सामान्य निवास स्थान पर नहीं रह रहा है, वह निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता के रूप में रजिस्टर होने का पात्र है जहां उसके पासपोर्ट में भारत में उसके निवास स्थान का उल्लेख किया गया है।

भारत का नागरिक जिसकी आयु 18 वर्ष की है वह उस निर्वाचन क्षेत्र, जिसमें उसका सामान्य निवास शामिल है, वहां विनिर्दिष्ट प्रपत्र 6 में आवेदन निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के समक्ष इस प्रयोजन हेतु प्रेषित कर सकता है। ऐसे प्रपत्र को भरकर डाक से भी भेजा जा सकता है। ऑनलाइन भी यह सुविधा प्राप्त है। प्रारूप 6 ऑनलाइन भरते समय आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियां भी अपलोड की जानी चाहिये। वस्तुतः सभी स्थितियों में प्रारूप 6 के साथ पासपोर्ट आकार का फोटोग्राफ, आयु व निवास का दस्तावेज लगाना आवश्यक आवास के लिये राशनकार्ड काम में लिया जा सकता है। प्रपत्र 6क प्रवासी भारतीय निर्वाचकों के लिये है। फार्म 8 का उपयोग मतदाता जो अपना निवास स्थान बदलते हैं उनके लिये है। फार्म नं. 6बी का संबंध आधार कार्ड से है, जो प्रमाणिकता के लिये काम में लिया जाता है।

चुनाव के कुछ महिनों पहले हर निर्वाचन क्षेत्र मतदाताओं की एक लिस्ट बनाई जाती है जिसे मतदाता सूची या वोटर्स लिस्ट कहा जाता है। मतदाता सूची में समय समय पर संशोधन होता रहता है ताकि नये मतदाताओं को जोड़ा जा चुके हैं और मृत हुये लोगों के नाम हटाये जाते हैं बंगला देश से बहुत लोगा भारत में अनाधिकृत रूप से प्रवेश करके आते हैं और राजनीतिक पार्टियां इन्हें मतदाता सूची में शामिल कराते हैं। बंगाल में यह काम हो रहा है। दिल्ली आदि बड़े शहरों में भी मतदाता सूची में नाम जोड़े गये हैं। ऐसा आरोप है मुस्लिम धर्म के लोगों को वोट बैंक मानकर मतदाता सूची में शामिल किया जाता है। फार्म नं. 7 जो मतदाता सूची में नाम जोड़ने व काटने के हेतु प्रयोग में लिया जाता है।

प्रत्येक मतदाता को चुनाव में अपने मत का प्रयोग अवश्य करना चाहिये। चुनाव ही हमें अवसर देता है कि भ्रष्ट व असफल सरकारों को सत्ता से बाहर करें। जब सही गुणवान अच्छे, निष्पक्ष चुनावों में जीतकर आवेंगे तभी देश का सही विकास होगा। कभी भी जाति, धर्म, अथवा फ्रीबीज (मुफ्त की रेवडी) अथवा लोक लुभावन वादों के आधार पर मतदान न करें। ये सब लोकतंत्र के हेतु अभिषाप है।

चुनाव का विषय संविधान के अनुच्छेद 324 से संबंध रखता है और चुनाव आयोग को संविधान में असीम अधिकार दिये हुये हैं। इस प्रकार चुनाव आयोग को विधायिका, न्यायपालिका व एक्जिक्यूटिव के अधिकार प्राप्त हैं। चुनाव का विषय में भारत निर्वाचन आयोग एक स्वायत्त संवैधानिक प्राधिकरण है। यह प्राधिकरण भारत में निर्वाचन प्रक्रियाओं के लिये उत्तरदायी है। मतदाता हेल्पलाइन एप निर्वाचन नामावली में अपना नाम खोजने, ऑनलाइन प्रारूप भरने, निर्वाचकों के बारे में जानने और सबसे महत्वपूर्ण शिकायत दर्ज कराने की सुविधा प्रदान करता है।

प्रत्येक स्टेट में स्टेट इलेक्शन कमीशन है। चुनाव का पूरा विषय जानने व समझने के लिये लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 व लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 है। साथ ही इनके तहत् बनाये गये नियम हैं। मतदाता सूचियों के लिये रजिस्ट्रेशन आफ इलेक्टर्श रूल्स 1960 है। इनमें समय समय पर संशोधन होते रहे हैं। संशोधन के कारण ही प्रत्येक मतदाता को पहिचान पत्र (Identity Card) दिया जाता है, जिससे मतदान में सुविधा होती है मतदान करने में समय नहीं लगता।

मतदान होने पर प्रत्येक भारतीय को गर्व होना चाहिये। चुनाव के बाद के विवाद लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 व लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1971 के अनुसार निर्णित किये जाते हैं और मतदाता सूची के विवाद चुनाव अधिकारी निपटाते हैं। चुनाव के विषय में सिविल कोर्ट का अधिकार क्षेत्र निषेध किया गया है। चुनाव परिणाम के बाद चुनाव याचिका पेश की जाती है चुनाव ट्रायब्यूनल के रूप में हाईकोर्ट का काम करता है।

मतदाता सूची, मतदान पहचान पत्र अथवा निर्वाचन सम्बन्धित कोई भी शिकायत को दर्ज करवाने के लिये मतदाता वेबसाइट पर लॉग-इन कर अपनी शिकायत/परेशानी संबंधित अधिकारी को दर्ज रजिस्टर करा सकते हैं। कई अधिकारी समक्ष हैं निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी इस काम के लिये सक्षम है।

यदि मतदाता सूची में आपका कोई भी विवरण गलत है, यानी गलत दर्ज है। ये गलतियां नाम के वर्तनी में अशुद्धि, उम्र के संबंध की अशुद्धि लिंग की अशुद्धि, निवास के पते की गलती आदि हो।

जैसा ऊपर कहा है कि 18 वर्ष की आयु का व्यक्ति मतदान करने का अधिकारी है, किन्तु उसका नाम मतदाता सूची में होना आवश्यक है। यदि कोई व्यक्ति मानसिक रूप से विक्षिप्त है अथवा सक्षम न्यायालय द्वारा विक्षिप्त घोषित किया गया है अथवा चुनाव अपराधों में करप्ट प्रेक्टिस के कारण अयोग्य घोषित किया है तो वह मतदान करने व मतदाता सूची में नामांकन नहीं करा सकते।

दिल्ली का चुनाव 5 फरवरी 2025 को होने जा रहा है। राजनीतिक पार्टियों ने एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाये हैं। मतदाता सूचियों में 29.11.2024 से 6.1.2025 तक 82450 नाम काटे गये हैं और 4 लाख 80 हजार नये नाम जोडने के आवेदन प्राप्त हुये हैं तथा 2 लाख 8 हजार 302 नये नाम जोडे। 6 जनवरी 2025 को मतदाता सूची फाइनल हुई है। एक ण्दहूेूलहम्ब (सीमापुरी) में 25 गज के मकान में 2 लोग रहते हैं जहां मतदाता सूची में 38 नाम हैं। ऐसी घटना कई जगह है दिल्ली में कुल मतदाता 1 करोड़ 55 लाख 24 हजार 850 है। यह घटना दिल्ली की है किन्तु राजस्थान अथवा राज्य में भी हो सकती है। इस लेख का उद्देश्य सभी लोगों को मतदाता सूची के बाबत जानकारी देना व उसके महत्व को समझाना है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है जहां की केन्द्रीय सरकार प्रत्येक 5 वर्ष के बाद चुनाव प्रक्रिया से चुनी जाती है। प्रत्येक मतदाता को चुनाव में अपने मत का प्रयोग अवश्य करना चाहिये। चुनाव ही हमें अवसर देता है कि भ्रष्ट व असफल सरकारों को सत्ता से बाहर करें। जब सही गुणवान अच्छे, निष्पक्ष चुनावों में जीतकर आवेंगे तभी देश का सही विकास होगा। कभी भी जाति, धर्म, अथवा फ्रीबीज (मुफ्त की रेवडी) अथवा लोक लुभावन वादों के आधार पर मतदान न करें। ये सब लोकतंत्र के हेतु अभिषाप है।

एक देश, एक चुनाव समय की पुकार है।

मतदान अवश्यक करें, देश के विकास में सहयोग दें।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

मानव स्वास्थ्य के लिए पोषण, जीवनशैली और पर्यावरण में नवाचार

प्रो. अशोक कुमार

मानव स्वास्थ्य एक जटिल विषय है जो पोषण, जीवनशैली और पर्यावरण जैसे कई कारकों से प्रभावित होता है। आधुनिक विज्ञान और तकनीक ने इन क्षेत्रों में कई नवाचार किए हैं, जिससे हम स्वस्थ और अधिक लंबा जीवन जी सकते हैं।

पोषण में नवाचार

व्यक्तिगतकृत पोषण: अब हम अपने जीन, माइक्रोबायोम और जीवनशैली के आधार पर व्यक्तिगत पोषण योजनाएँ बना सकते हैं। यह सुनिश्चित करता है कि हम सही पोषक तत्व प्राप्त कर रहे हैं। व्यक्तिगतकृत पोषण एक ऐसा दृष्टिकोण है जिसमें आपके आहार को आपके शरीर की विशिष्ट जरूरतों के अनुसार तैयार किया जाता है। यह एक सामान्य आहार योजना से कहीं अधिक है, क्योंकि यह आपके जीन, जीवन शैली, स्वास्थ्य लक्ष्यों और अन्य कारकों को ध्यान में रखता है।

क्यों है व्यक्तिगतकृत पोषण महत्वपूर्ण?

यह आपके शरीर को वह पोषण देता है जिसकी उसे वास्तव में आवश्यकता होती है, जिससे आप अपने स्वास्थ्य लक्ष्यों को अधिक तेजी से प्राप्त कर सकते हैं।यह आपके स्वाद और पसंद को ध्यान में रखते हुए बनाया जाता है, जिससे आप इसे लंबे समय तक बनाए रख सकते हैं। यह आपके लिए एक अद्वितीय योजना है, जो आपके शरीर की विशिष्ट जरूरतों को पूरा करती है।

व्यक्तिगतकृत पोषण कैसे काम करता है?

व्यक्तिगतकृत पोषण योजना बनाने के लिए, आपके स्वास्थ्य इतिहास, वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, आनुवंशिक जानकारी, और जीवन शैली का विस्तृत विश्लेषण किया जाता है। इस जानकारी का उपयोग करके, एक पोषण विशेषज्ञ आपके लिए एक व्यक्तिगत आहार योजना तैयार करता है।

व्यक्तिगतकृत पोषण के लाभ

वजन कम करना या बढ़ाना हो, व्यक्तिगतकृत पोषण आपके लिए सबसे अच्छा तरीका हो सकता है।

मधुमेह, उच्च रक्तचाप, और हृदय रोग जैसी बीमारियों को प्रबंधित करने में मदद कर सकता है। एथलीटों के लिए, व्यक्तिगतकृत पोषण उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। यह आपकी ऊर्जा के स्तर को बढ़ा सकता है, आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत कर सकता है, और आपकी समग्र भलाई में सुधार कर सकता है।

व्यक्तिगतकृत पोषण कैसे प्राप्त करें?

एक पोषण विशेषज्ञ आपके स्वास्थ्य इतिहास और लक्ष्यों के आधार पर आपके लिए एक व्यक्तिगत आहार योजना बना सकता है।

कई ऑनलाइन उपकरण उपलब्ध हैं जो आपके लिए एक व्यक्तिगत आहार योजना बनाने में मदद कर सकते हैं।आपकी आनुवंशिक जानकारी आपके लिए सबसे अच्छा आहार क्या है, यह निर्धारित करने में मदद कर सकती है। मांस के विकल्प के रूप में पौधे आधारित प्रोटीन जैसे सोया, मटर और क्विनोआ तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। ये पर्यावरण के लिए भी बेहतर हैं।

फूड टेक्नोलॉजी के माध्यम से हम अधिक पौष्टिक और स्वादिष्ट खाद्य पदार्थ बना सकते हैं। उदाहरण के लिए, फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों में आवश्यक विटामिन और खनिज होते हैं।

जीवनशैली में नवाचार

फिटनेस ट्रैकर्स और स्मार्टवॉच जैसे वेअरेबल टेक्नोलॉजी हमें अपनी गतिविधि, नींद और हृदय गति पर नज़र रखने में मदद करते हैं।

तनाव कम करने और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए कई ऐप्स उपलब्ध हैं। टेलीमेडिसिन से दूर रहने वाले लोगों को भी स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकती हैं।

पर्यावरण में नवाचार

सस्टेनेबल कृषि से स्वस्थ और अधिक पौष्टिक खाद्य पदार्थ पैदा होते हैं। यह पर्यावरण को भी कम नुकसान पहुंचाती है। सस्टेनेबल कृषि या स्थायी कृषि एक ऐसा कृषि तरीका है जो वर्तमान पीढ़ी की खाद्य और फाइबर की जरूरतों को पूरा करते हुए भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करता है। यह कृषि प्रणाली पर्यावरण, सामाजिक और आर्थिक रूप से टिकाऊ होती है।

सस्टेनेबल कृषि के मुख्य सिद्धांत

मृदा स्वास्थ्य: मिट्टी को जैविक पदार्थों से समृद्ध करके, फसल चक्रण और कवर क्रॉप्स का उपयोग करके मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखना।

जल संरक्षण: सिंचाई की कुशल तकनीकों का उपयोग करके, वर्षा जल संचयन और जल स्त्रोतों के संरक्षण पर ध्यान देना।

जैव विविधता: विभिन्न प्रकार की फसलों और पशुओं को उगाने से पारिस्थितिक तंत्र में संतुलन बना रहता है।

रसायनों का कम उपयोग: रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को कम करके पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य की रक्षा करना।

ऊर्जा दक्षता: सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों का उपयोग करके ऊर्जा दक्षता को बढ़ाना।

सस्टेनेबल कृषि के लाभ

पर्यावरण संरक्षण: मिट्टी का क्षरण रोकना, जल प्रदूषण कम करना, जैव विविधता को बढ़ावा देना।

खाद्य सुरक्षा: स्वस्थ और सुरक्षित खाद्य उत्पादन करना।

आर्थिक लाभ: लंबे समय में लागत कम होती है, उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार होता है।

सामाजिक लाभ: ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना, रोजगार के अवसर बढ़ाना।

सस्टेनेबल कृषि की कुछ तकनीकें

फसल चक्रण: विभिन्न प्रकार की फसलों को एक ही भूमि पर बारी-बारी से उगाना।

कवर क्रॉप्स: मुख्य फसल के साथ या बिना किसी मुख्य फसल के उगाई जाने वाली फसलें जो मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार करती हैं।

जैविक खाद: पौधों और पशुओं के अपशिष्ट से बनाई गई खाद जो मिट्टी की उर्वरता बढ़ाती है।

कीट नियंत्रण के जैविक तरीके: कीटों को नियंत्रित करने के लिए प्राकृतिक शत्रुओं का उपयोग करना।

स्वच्छ ऊर्जा: स्वच्छ ऊर्जा स्त्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा का उपयोग प्रदूषण को कम करता है और स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।

स्मार्ट सिटीज़: स्मार्ट सिटीज़ में पर्यावरण के अनुकूल तकनीकें होती हैं जो लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाती हैं।

भविष्य में क्या है?

जीन एडिटिंग: जीन एडिटिंग से हम भविष्य में बीमारियों का इलाज कर सकते हैं और अधिक पौष्टिक फसलें पैदा कर सकते हैं।

जीन एडिटिंग: भविष्य की चिकित्सा और कृषि

जीन एडिटिंग एक ऐसी तकनीक है जिसके माध्यम से हम जीवों के डीएनए में बदलाव कर सकते हैं। यह तकनीक बीमारियों के इलाज और अधिक पौष्टिक फसलें पैदा करने जैसी कई संभावनाओं को खोलती है।

जीन एडिटिंग से बीमारियों का इलाज

आनुवंशिक बीमारियां: जीन एडिटिंग का उपयोग उन जीनों को ठीक करने में किया जा सकता है जो आनुवंशिक बीमारियों का कारण बनते हैं। जैसे कि सिकल सेल एनीमिया, हंटिंगटन रोग आदि।

कैंसर: जीन एडिटिंग का उपयोग कैंसर कोशिकाओं को लक्षित करने और उन्हें नष्ट करने के लिए किया जा सकता है।

संक्रामक रोग: जीन एडिटिंग का उपयोग मच्छरों जैसे कीटों को संशोधित करने के लिए किया जा सकता है ताकि वे मलेरिया जैसी बीमारियों को फैला न सकें।

जीन एडिटिंग से अधिक पौष्टिक फसलें

पोषक तत्वों में वृद्धि: जीन एडिटिंग का उपयोग फसलों में पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाने के लिए किया जा सकता है। जैसे कि गोल्डन राइस में विटामिन ए की मात्रा बढ़ाना।

रोग प्रतिरोधक क्षमता: जीन एडिटिंग का उपयोग फसलों को रोगों और कीटों के प्रति अधिक प्रतिरोधी बनाने के लिए किया जा सकता है।

सूखा और खराब मौसम के प्रतिरोध: जीन एडिटिंग का उपयोग फसलों को सूखा और खराब मौसम के प्रति अधिक सहनशील बनाने के लिए किया जा सकता है।

जीन एडिटिंग की चुनौतियाँ

नैतिक मुद्दे: जीन एडिटिंग के उपयोग से जुड़े कई नैतिक मुद्दे हैं। जैसे कि मानव जर्मलाइन एडिटिंग, जो भविष्य की पीढ़ियों को प्रभावित कर सकती है।

अनिच्छित परिणाम: जीन एडिटिंग के अवांछित परिणाम हो सकते हैं जिनके बारे में हमें अभी तक पूरी तरह से पता नहीं है।

नियमन: जीन एडिटिंग के उपयोग को विनियमित करने के लिए स्पष्ट नियमों और कानूनों की आवश्यकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल में किया जा सकता है।

बायोप्रिंटिंग: बायोप्रिंटिंग का उपयोग अंगों और ऊतकों को बनाने में किया जा सकता है।

बायोप्रिंटिंग: अंगों और ऊतकों का निर्माण

बायोप्रिंटिंग एक ऐसी क्रांतिकारी तकनीक है जिसके माध्यम से जीवित कोशिकाओं, जैव सामग्री और जैव-रसायनों का उपयोग करके त्रि-आयामी (3) जैविक संरचनाओं, जैसे ऊतकों और अंगों, का निर्माण किया जाता है। यह तकनीक चिकित्सा क्षेत्र में एक नई क्रांति ला रही है।

बायोप्रिंटिंग कैसे काम करती है?

जैव-स्याही: इसमें जीवित कोशिकाएं, ग्रोथ फैक्टर और जैविक पॉलिमर जैसे हाइड्रोजेल होते हैं।

3 प्रिंटर: एक विशेष प्रकार का 3 प्रिंटर इस जैव-स्याही को परत दर परत जमा करके एक त्रि-आयामी संरचना बनाता है।

जीवित ऊतक: समय के साथ, ये कोशिकाएं बढ़ती हैं और एक जीवित ऊतक बनाती हैं।

बायोप्रिंटिंग के उपयोग

अंग प्रत्यारोपण: बायोप्रिंटिंग का उपयोग रोगी के स्वयं के कोशिकाओं का उपयोग करके नए अंग बनाने में किया जा सकता है, जिससे अंग प्रत्यारोपण में होने वाली अस्वीकृति की समस्या को कम किया जा सकता है।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

813वां उर्स: बड़े कुल की रस्म के साथ उर्स का समापन आज होगा

- **बड़े कुल की रस्म में शिरकत के लिए अकीदतमंदों का अजमेर पहुंचने का सिलसिला जारी**

अजमेर, (कासं)। अजमेर में चल रहे हजरत ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती के 813वें उर्स का समापन शुक्रवार को बड़े कुल की रस्म और जुमे की नमाज के साथ होगा। कुल की रस्म दरगाह से जुड़े खादिमों द्वारा अदा की जाएगी। केवड़े, इत्र और गुलाब जल से दरगाह परिसर की धुलाई की जाएगी। ख्वाजा साहब के उर्स की आखिरी रस्म बड़ा कुल पर शुक्रवार सुबह 8:30 बजे आस्ताना शरीफ में खिदमतगार खादिमों द्वारा गुस्ल दिया जाएगा और ख्वाजा साहब की मजार पर नया गिलाफ पेश किया जाएगा।

आस्ताना शरीफ के बाहर अकीदतमंदों द्वारा दरगाह की दरों दीवार की धुलाई करेंगे। इस दौरान पानी को शीशियों में भरकर बतौर तबर्रुक ले जाएंगे। बड़े कुल की रस्म में शिरकत के लिए अकीदतमंद का अजमेर पहुंचने सिलसिला जारी है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से लोग यहां पहुंच रहे हैं। इधर दरगाह परिसर में रात से ही अनेक अकीदतमंद ने बड़े कुल के छींटे देने शुरू कर दिए। आस्ताना शरीफ मामूल होने के बाद यह सिलसिला शुरू हुआ,अकीदतमंद आस्ताना शरीफ की दीवार को केवड़े व गुलाब जल से धोते नजर आए। दरगाह कमेटी से प्राप्त जानकारी के अनुसार उर्स के दौरान पड़ने वाले दूसरे जुमे की नमाज होगी और इसी दिन बड़े कुल की रस्म भी अदा की जाएगी। एक ही दिन और लगभग एक ही समय के चलते दरगाह कमेटी द्वारा नई व्यवस्था के तहत कुल की रस्म एक घंटे पहले की जाएगी, इसके बाद जुम्मे की नमाज अदा की जा सकेगी। उर्स में आम तौर पर छोटे कुल की रस्म में भाग लेने के बाद जायरीन का लौटना शुरू हो जाता है। इस बार बड़े कुल वाले दिन ही शुक्रवार है, इसलिए अधिकांश जायरीन दोपहर को नमाज पढ़ने के बाद ही जाएंगे। हालांकि उर्स के दिनों में दरगाह में जायरीन की जियारत का सिलसिला चलता रहता है, लेकिन इस बार बड़े कुल और जुम्मा एक ही दिन होने से बड़ी संख्या में जायरीन अजमेर में मौजूद रहेंगे।

दिल्ली सीएम आतिशी व पूर्व सीएम केजरीवाल की चादर पेश : ख्वाजा साहब के 813 वें सालाना उर्स के मैके पर वीआईपी चादरों का सिलसिला गुरुवार को भी जारी रहा। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से प्रतिनिधियों ने चादर पेश की। चादर पेश कर देश में अमन, चैन, शांति और भाईचारा की दुआ की गई। इसके बाद दरगाह के बुलंद दरवाजे पर भेजा गया संदेश भी पढ़ा गया।

गुरुवार को दिल्ली स्टेट उर्स कमेटी के अध्यक्ष एफआई इस्माइली पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री आतिशी की चादर लेकर अजमेर दरगाह पहुंचे। चादर पेश करने के बाद मुख्यमंत्री आतिशी और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का संदेश पढ़ा गया। दिल्ली उर्स कमेटी के अध्यक्ष एफआई इस्माइली ने कहा कि दिल्ली में अगले महीने चुनाव होंगे। दिल्ली में थोड़ा माहौल अलग बना हुआ है। एक काम करने वाली पार्टी है, हम यही दुआ करेंगे कि जिन्होंने दिल्ली में काम किया उन्हें का लोग सपोर्ट करेंगे।

वहीं नागपुर में दरगाह ताजुद्दीन बाबा से आए दल ने 813 वें उर्स के मौके पर जियारत की ओर मखमली गिलाफ पेश किया। दल को अंजुमन यादगार के संयुक्त सचिव शेखजादा इमरान मोहम्मद चिश्ती ने जियारत कराई और दस्तारबंदी की खादिम शेखजादा इरफान चिश्ती ने सभी को तबर्रुक भेंट किया। दल हर वर्ष उर्स के मौके पर अजमेर आकर हाजरी देता है। इस मौके पर काशिफ ताजी खादिम ताज बाबा, नोमान अशरफी, रजा मतीन, रफीक, कोनेन अशरफी, अवेज, उस्मान खान, सरफराज, मुजम्मिल खान, फैजान, अयाज खान, शाकिर अली, नूरु खान, मुंबश्शिर, अकील, सूफी रजा, रिजवान, शरिक कुरैशी, तारिक, फरमान ताजी, अहमद अली मौजूद रहे।

देवली शहर में चाइनीज़ मांझा की बिक्री धड़ल्ले से

- **पतंगबाजी के दौरान चाइनीज मांझे से पक्षी, बाइक सवार और पैदल चलने वाले राहगीर घायल हो रहे हैं**
- **सूचना के बावजूद पुलिस और पालिका प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की**

देवली, (निसं)। इन दिनों मकर संक्रांति त्योहार के चलते यहां पतंगबाजी का दौरा जोर-शोर से शुरू हो गया है। पतंगबाजी में प्रतिबंध चाइनीज़ मांझे की डोर का इस्तेमाल हो रहा है।

यहां खुलेआम बिक रहा प्रतिबंध चाइनीज़ मांझा बेजुबान पक्षियों और राहगीरों के लिए घातक बना हुआ है। ऐसे हालातों को देखकर भी जिम्मेदारना प्रशासन जानबूझकर अनजान बना हुआ है। यहां लोगों का मानना है कि पुलिस और पालिका प्रशासन की मिलीभगत से प्रतिबंधित चाइनीज़ मांझे की बिक्री जोरों पर हो रही है, जबकि कानूनन तोर पर चाइनीज़ मांझे की बिक्री की रोकथाम हेतु सुप्रीम कोर्ट ने सख्त आदेश जारी किए हुए हैं, बावजूद इसके शहरभर में मांझे की बिक्री जोरों पर चल रही है। इसलिए कि मकर संक्रांति का पर्व नजदीक होने के कारण युवा एवं बच्चे पतंगबाजी के शौक में पूरा करने के लिए प्रतिबंधित चाइनीज़ मांझे की खरीदारी जोर शोर से कर रहे हैं।

देवली शहरवासियों का यह भी मानना है कि शहर में चाइनीज़ मांझे की बिक्री की जानकारी पुलिस और पालिका प्रशासन को बखूबी प्राप्त है। वहीं जानकारी यह भी प्राप्त है कि इसकी चपेट में रोजाना कई पक्षी आकर अकाल मौत का ग्रास बन रहे हैं या जख्मी हो रहे हैं। ऐसे में पुलिस और पालिका प्रशासन दोनों ही चाइनीज़ मांझे की हो रही बिक्री को नहीं रोक पा रहे हैं। उक्त मामले में सूचना मिलने के बाद भी प्रशासन ने अभी तक चाइनीज़ मांझे की बिक्री पर रोक के लिए कोई ठोस पहल नहीं की है। गौर करने वाली बात यह भी है कि शहर भर के साथ साथ पुलिस थाने के ठीक सामने गांधी पार्क वाली गली में चाइनीज़ मांजे का बड़ा कारोबार खुलेआम हो रहा है।

जब ऐसे हालातों पर पुलिस थाना प्रभारी और पालिका अधिशासी अधिकारी से बात की गई तो पालिका अधिशासी अधिकारी ने यह बताया कि चाइनीज़ मांझी की बिक्री पर कार्रवाई की गई है, लेकिन किस स्तर पर कार्रवाई की गई है यह नहीं बताया गया।

राशिफल

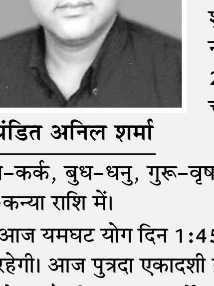

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 10 जनवरी, 2025

पौष मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, कृत्तिका नक्षत्र दिन 1:45 तक, शुभ योग दिन 2:36 तक, विष्टि करण दिन 10:20 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कर्क, बुध-धनु, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज यमघट योग दिन 1:45 से सूर्योदय तक है। भद्रा दिन 10:20 तक रहेगी। आज पुत्रदा एकादशी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:40 तक, लाभ-अमृत 8:40 से 11:16 तक, शुभ 12:34 से 1:52 तक, चर 4:29 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:45

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे।

धनु
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

कुंभ
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।